पाठ योजना

कक्षा : पांचवी

एक बूंद कविता

कौशल : सुनना बोलना पढ़ना लिखना

व्याकरण विशेषण समानार्थी शब्द

संक्षिप्त परिचय : कविता के माध्यम से कवि ने बूंद के जीवन संघर्षों एवं उपलब्धियों के द्वारा मनुष्य के जीवन की व्याख्या की है। मनुष्य को अपने पूरे जीवन में किस-किस प्रकार के संघर्षों का सामना करना पड़ता है एवं व्यक्ति को अपनी प्रगति एवं बाहर अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु जाना पड़ता है। यह बताया गया है।

KPI : 2.3 **- में और मैं में अंतर को समझ कर उसका सही प्रयोग करना सीखेंगे।**

विशिष्ट उद्देश्य :

1 KPI : 2.3 - में और मैं में अंतर को समझ कर उसका सही उच्चारण व प्रयोग करना सीखेंगे। (प्रयोग)

2 कविता को हाव भाव व लय के साथ प्रस्तुत करना सीखेंगे। (प्रयोग)

3 सभी के सामने अपने विचारों को प्रस्तुत कर सकेंगे। (प्रयोग)

4 कविता के नए शब्द के अर्थ को समझेंगे। कविता से जुड़ेंगे।(समझ , ज्ञान)

5 विशेषण की अवधारणा स्पष्ट होगी।(समझ)

व्यवहारिक उद्देश्य:

1 जल के महत्व को समझेंगे।

2 बूंद के जीवन के बारे में व जीवन की विषम परिस्थितियों के बारे में जानेंगे।

प्रक्रिया : (कविता प्रवेश करने के पूर्व)

गतिविधि 1: बच्चों के छोटे-छोटे समूह बनाकर उनसे अपने लक्ष्य के बारे में पूछेंगे।

गतिविधि 2: बारिश दिखाकर मौखिक प्रश्न करेंगे जैसे : कैसा लग रहा है ? बूंदें कैसी है ? बारिश आने के बाद क्या बदलाव आते हैं ? आदि प्रश्न करते हुए कविता का नाम निकलवाएंगे।

गतिविधि 3: पानी में तेल की बूंद डालकर दिखाएंगे और चर्चा करेंगे कि बूंद पानी में क्यों नहीं डूबी ?

फिर

1 कविता को लय के साथ दोहरवाएंगे।

2 कविता का वाचन प्रत्येक बच्चे से करवाएंगे।

3 कविता का अर्थ समझाना।

4 लेखन कार्य : कविता के शब्दार्थ , प्रश्न उत्तर व पुस्तकीय कार्य समझाना एवं करवाना ।

गतिविधि 4: खेल के माध्यम से "में" व "मैं" में अंतर को समझाएंगे ।

गतिविधि 5 : विशेषण हेतु बच्चों को कुछ चित्र दिखाकर अवधारणा स्पष्ट करवाएंगे ।

रचनात्मक गतिविधि : बूंद की आत्मकथा लिखकर लाना ।

गृहकार्य : 1 कविता याद करें ।

2 विशेषण का अभ्यास पत्र ।

3 पुनरावृत्ति पत्र ।

4 कविता के शब्दार्थ याद करें ।

मूल्यांकन :1कविता की मौखिक परीक्षा। 2 बुधवार कक्षा परीक्षा ।

3 "में" व "मैं" के वाक्यों का श्रुतलेख करवाना ।

अधिगम उपलब्धि: 1 "में" व "मैं" में अंतर को समझकर सही प्रयोग करने लगे । 2 व्याकरणिक ज्ञान बढ़ा ।

3 शब्द भंडार बढ़ा।

4 पानी के महत्व को समझा ।